मिरा भाईंदर महानगरपालिका

स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग,
भाईंदर (प.), ता.ठाणे-४०११०१ दुरध्वनी क्रं.२८१९२८२८

पाणी पुरवठा व मलनि:सारण विभाग

जा.क्र.मनपा/पापु व मलनि/ 900 /2025-26 **दि. 19 / 06 /2025**

प्रति,
जनसंपर्क अधिकारी
जनसंपर्क विभाग
मिरा भाईंदर महानगरपालिका.

विषय :- वृत्तपत्रात प्रसिद्ध झालेल्या बातमीबाबत ..

संदर्भ :- आपले जा.क्र.मनपा/मावज/खुला/77/2025-26 दि.29/05/2025 रोजीच पत्र

महोदय,

उपरोक्त विषयान्वये दै. नवभारत टाईम्स या वृत्तपत्रात दि.29/05/2025 रोजी प्रसिद्ध झालेल्या बातमीचा खुलासा सोबत जोडून देत आहे.

(दिपक खांबित)
शहर अभियंता
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

Scanned with OKEN Scanner

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका
पाणी पुरवठा व मलनिसारण विभाग
// खुलासा //

"मिरा-भाईंदर मे आ रहा दूषित पानी, बीमारियों का बढा खतरा" या मथळयाखाली दै. नवभारत टाईम्स या वृत्तपत्रामध्ये दि.29/05/2025 रोजी बातमी प्रसिद्ध करण्यात आलेली आहे.

त्याअनुषंगाने खुलासा सादर करण्यात येतो की, मिरा-भाईंदर शहरास स्टेम वॉटर डिस्ट्रीब्युशन ॲन्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी प्रा.लि. व महाराष्ट्र ओद्योगिक विकास महामंडाळमार्फत शुद्ध पाण्याचा पुरवठा करण्यात येतो. सदर कालावधीमध्ये स्टेम वॉटर डिस्ट्रीब्युशन ॲन्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी प्रा.लि. व महाराष्ट्र ओद्योगिक विकास महामंडाळमार्फत देखभाल दुरुस्तीची कामे केल्यामुळे त्या कालावधीत थोडया प्रमाणात माती मिश्रित पाणी पुरवठा झालेला होता. सदर शुद्ध पाण्याची शुद्धता कायम राहावी याकरीता महानगरपालिकेमार्फत वेळोवेळी दक्षता घेण्यात येत आहे. तथापि पाण्याची शुद्धता शेवटपर्यत कायम राहावी याकरीता नागरीकांचे देखिल सहकार्य अपेक्षित आहे. त्याकरीता पाण्याची शुद्धता कायम राहणेसाठी नागरीकांना त्यांच्या पाण्याच्या साठवण टाक्यांची व साठवण टाक्यांच्या परिसराची साफ-सफाई ठेऊन इतर कारणांमुळे साठवण टाक्यांमधील पाणी दुषित होणार नाही, याची दक्षता घेऊन महानगरपालिकेस सहाकार्य करण्याबाबत आवाहन करण्यात आलेले आहे. तरी, शहरात स्वच्छ पाणी पुरवठा होत आहे त्यामुळे मिरा-भाईंदर मे आ रहा दूषित पानी, बीमारियों का बढा खतरा अशी सदरची बाब नाही.

(दिपक खांबित)
शहर अभियंता
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

Scanned with OKEN Scanner

मीरा-भाईंदर में आ रहा दूषित पानी, बीमारियों का बढ़ा ख़तरा

NBT

बच्चों-बुजुर्गों को हो रही उल्टी और दस्त की शिकायत

■ अमित तिवारी, मीरा-भाईंदर

■ बच्चो और बुजुर्गों को उल्टी-दस्त की शिकायते

■ कोई ठोस कदम न उठाने से लोगो मे नाराजगी

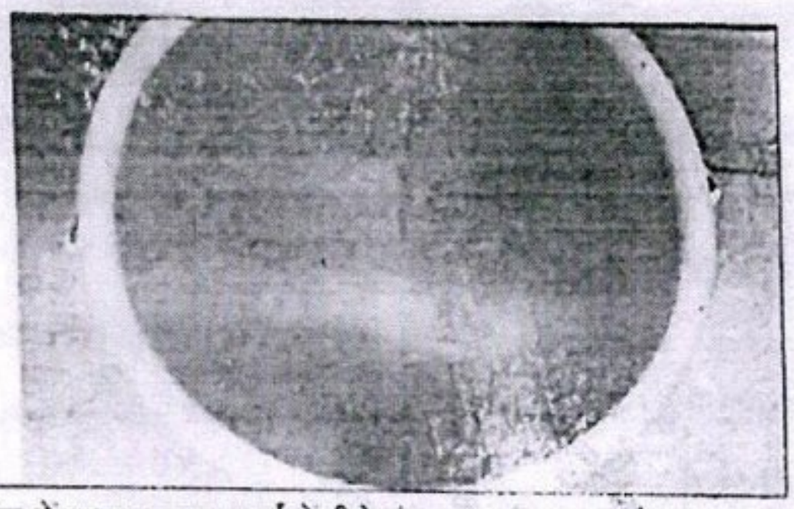

मीरा-भाईंदर मे मनपा द्वारा सप्लाई मे पीले रंग का [illegible] रहा है।

मीरा-भाईंदर में दूषित पानी की आपूर्ति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। आए दिन लोगों के नलों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। विशेष रूप से पूनम गार्डन परिसर के रहवासी पिछले 3 दिनों से दूषित पानी की आपूर्ति से परेशान हैं। इस पानी का रंग पीला है, जो कि पीने के लिए उपयुक्त नहीं है।

स्थानीय निवासी और बीजेपी नेता विवेक उपाध्याय का कहना है कि उनके परिसर के लोग इस गंदे पानी को इस्तेमाल करने के लिए मजबूर हैं, क्योंकि विकल्प के तौर पर टैंकर भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों और बुजुर्गों में पेट संबंधी बीमारियां, उल्टी-दस्त जैसी शिकायतें भी सामने आ रही हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल है।

स्टेम प्राधिकरण के कारण आ रहा है गंदा पानी: स्टेम प्राधिकरण द्वारा मीरा-भाईंदर को रोजाना करीब 90 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जाती है, जो उल्हास नदी से लिया जाता है। हाल ही में नदी में जलकुंभी की अधिकता के कारण पानी दूषित हो गया था, जिसकी जानकारी प्रशासन ने दी थी। हालांकि, अब बारिश के बाद नदी का [illegible]स्तर बढ़ चुका है, फिर भी मीरा-भा[illegible] में गंदे पानी की आपूर्ति जारी है। इससे नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई ठोस कदम न उठाने से लोगों में नाराजगी है।

दूषित पानी के कारण लोग पड़ रहे है बीमार : कांग्रेस नेता रवि खरात कहते है कि मीरा-भाईंदर में मॉनसून के साथ ही बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। खासकर दूषित पानी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। रवि ने कहा कि दूषित पानी का आना घटने के बजाय बढ़ रहा है। स्थानीय चिकित्सक डॉ. गौतम तकलगांवकर ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में पेट दर्द, उल्टी और दस्त के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वे लोगों को साफ पानी पीने और भोजन की स्वच्छता का ध्यान रखने की सलाह दे रहे हैं।

जल विभाग ने पानी उबालकर पीने की दी थी सलाह : इस संदर्भ में मीरा-भाईंदर शहर जल अभियंता शरद नानेगावकर से संपर्क करने का कई बार प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। इससे पहले जल विभाग से लोगों को पानी छानकर/ उबालकर पीने और अन्य इस्तेमाल की सलाह दी थी।